>

Title: Need to look into the problems being faced by rag-pickers in the Country.

श्री रवि प्रकाश वर्मा (स्वीरी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को अवगत कराना चाहता हूं कि भारतवर्ष में लाखों पुरुष, महिलाएं और बच्चे आर्थिक विवशता के कारण कचरा बीनकर जीवनयापन करते हैं तथा बहुत ही दयनीय जीवन जी रहे हैं। सिर्फ दिल्ली शहर में लगभग साठ हजार लोग कचरा बीनकर उसकी छंटाई और निपटान करते हैं और प्रतिदिन लगभग एक हजार टन कचरा ये लोग बीनते हैं। लेकिन उनके लिए न तो आवास की व्यवस्था है, न चिकित्सा की व्यवस्था है और न ही सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं उन्हें मयस्सर हैं। इसीलिए उनका शोषण भी रहा है। ये सभी लोग एक रीसाइक्लिंग उद्योग के हिस्से हैं, परंतु उपयुक्त नियमों और कानूनों के अभाव में शोषण के शिकार हो रहे हैं। इसलिए सरकार से अनुरोध है कि कचरा बीनने वालों की दशा पर गौर करते हुए उन्हें उपयुक्त सुविधाएं प्रदान करने का कार्य करे और इसके लिए नियम-कानून बनाये।